DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. V. SIVADASAN (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. KANIMOZHI NVN SOMU (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over, Hanumanthaiah*ji*.

**श्रीमती रंजीत रंजन** (छत्तीसगढ़): सर, मुझे दो मिनट का समय बोलने के लिए दे दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, Zero Hour matters are raised with the permission of the hon. Chairman. Merely presence in ballot does not mean admittance. Further, matters already raised are not included again. The next speaker is Dr. Laxmikant Bajpayee.

### Issue of intervention by big Business Houses in MSME Sector

**डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी** (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मेरा विषय बहुत महत्वपूर्ण है और समाज के उन सामान्य वर्ग के लोगों के प्रति समर्पित है जो गाँवों, छोटे-छोटे कस्बों और शहरों में सुनार और दर्जी का काम करते हैं। महोदय, धीरे-धीरे एमएसएमई सैक्टर में भी योजनाबद्ध तरीके से बड़े घरानों का प्रवेश हो रहा है। यह ठीक है कि हम किसी को व्यवसाय करने से नहीं रोक सकते हैं, लेकिन अगर टाटा जैसा कोई बड़ा घराना तनिष्क के नाम से ज़ेवर का व्यापार शुरू करेगा, तो गरीब सुनार या सर्राफ़, जो शहरों में या कस्बों में बैठे हैं, वे क्या काम करेंगे? महोदय, कपड़े सिलने का काम भी टाटा और अन्य बड़े घराने इसी प्रकार से लेते जा रहे हैं। यह ठीक है कि हम किसी को व्यवसाय करने से नहीं रोक सकते हैं, लेकिन कहीं न कहीं एमएसएमई सैक्टर का बचाव हो सके और एमएसएमई सैक्टर के अंतर्गत आने वाले छोटे कारीगर, छोटे व्यापारी बचे रह सकें, इसकी व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए। मेरा आपके माध्यम से सरकार से ऐसा आग्रह है। माननीय उपसभापति जी, आपने मुझे यहाँ पर बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

**श्री उपसभापति** : माननीय श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई, आप अपने विषय पर बोलिए।

**Climate change and its consequences**

**श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई** (गुजरात) : माननीय उपसभापति जी, सांसद बनने के बाद आपने मुझे सदन में प्रथम बार बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आज मैं आपके सामने हमारे समय की एक तत्काल और निर्णायक चुनौती जलवायु परिवर्तन का समाधान करने के विषय पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हमारा पर्यावरण मानवीय गतिविधियों के कारण अभूतपूर्व परिवर्तनों से गुज़र रहा है, जिसके परिणामस्वरूप तापमान में वृद्धि, मौसम के पैटर्न में बदलाव और असंख्य पारिस्थितिक व्यवस्थापन उत्पन्न हुए हैं। वैज्ञानिक सहमति स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन हमारे पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और जीवन शैली के लिए गंभीर खतरा है। यह लगातार अधिक बर्फ पिघलने, मौसम की गंभीर घटनाओं और जैव विविधताओं के नुकसान की गवाह है। यह महज चेतावनी नहीं है, बल्कि एक कठोर वास्तविकता है, जो तत्काल ध्यान देने और कार्यवाही करने की मांग करती है। भावी पीढ़ियों के लिए इसकी सुरक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हमें स्थायी ऊर्जा स्रोतों की ओर बदलाव करना चाहिए, ग्रीन हाउस गैस परिवर्तन को कम करना चाहिए और जिम्मेदार खपत और उत्पादन को बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए सभी क्षेत्रों, सीमाओं और राजनैतिक विचारधाराओं में सहयोग की आवश्यकता है। हमारे पास कानून निर्माताओं के रूप में ऐसी नीतियाँ बनाने की शक्ति है जो नवाचार का प्रोत्साहन करती है, नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश करती है और औद्योगिक लोगों को उनके द्वारा पर्यावरण पर किए गए प्रभाव के लिए जवाबदेह बनाती है। आइए, हम अल्पकालिक लाभ से अधिक अपने ग्रह को, यहाँ के लोगों की भलाई को प्राथमिकता दें और एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम करें, जहाँ स्वच्छ हवा, स्वच्छ पानी और स्वच्छ जलवायु सुनिश्चित हो एवं जिसका कोई और विकल्प नहीं है।

माननीय उपसभापति जी, आपने मुझे यहाँ पर बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Biplab Kumar Deo to speak on concern over misuse of technology and Artificial Intelligence to create deep effects. He is not present. Now, Shri Muzibulla Khan.